

Roll No. :

Total No. of Questions : 11]

[Total No. of Printed Pages : 4

SLB-154

LL.B. I Year (Supplementary) Examination, 2022

FAMILY LAW-I

Paper - 1.4

(Hindu Law)

Time : 1½ Hours]

[Maximum Marks : 100

Section-A

(Marks : 2 × 10 = 20)

Note :- Answer all *ten* questions (Answer limit **50** words). Each question carries **2** marks.

(खण्ड-अ)

(अंक : 2 × 10 = 20)

नोट :- सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

Section-B

(Marks : 7 × 5 = 35)

Note :- Answer all *five* questions. Each question has internal choice (Answer limit **200** words). Each question carries **7** marks.

(खण्ड-ब)

(अंक : 7 × 5 = 35)

नोट :- सभी **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न में विकल्प का चयन कीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **7** अंक का है।

Section-C

(Marks : 15 × 3 = 45)

Note :- Answer any *three* questions out of five (Answer limit **500** words). Each question carries **15** marks.

(खण्ड-स)

(अंक : 15 × 3 = 45)

नोट :- पाँच में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **15** अंक का है।

BI-178

(1)

SLB-154 P.T.O.

Section–A

(खण्ड–अ)

1. (i) Who is Hindu ?
हिन्दू कौन है ?
- (ii) What is meant by Shruti in Hindu Law ?
हिन्दू विधि में श्रुति से क्या अभिप्राय है ?
- (iii) What is meant by Sapind relation in Hindu Law ?
हिन्दू विधि में सपिण्ड संबंध का क्या अर्थ है ?
- (iv) Explain the principle of Factum Valet.
फैक्टम वेलेट के सिद्धांत को समझाइए।
- (v) What is parental or ancestral property ?
पैतृक सम्पत्ति क्या है ?
- (vi) Who can be adopted ?
दत्तक किसे लिया जा सकता है ?
- (vii) Testamentary Guardian.
वसीयती संरक्षक।
- (viii) Define the term 'Maintenance'.
'भरण-पोषण' पद को परिभाषित कीजिए।
- (ix) What is Uniform Civil Code ?
समान नागरिक संहिता क्या है ?
- (x) Explain the rule of Damdupat.
दामदूपट के नियम को समझाइए।

Section-B

(खण्ड-ब)

2. Explain various sources of Hindu Law.

हिन्दू विधि के विभिन्न स्रोतों का उल्लेख कीजिए।

Or

(अथवा)

Explain the powers and positions of Karta in a Joint Hindu Family.

एक संयुक्त हिन्दू परिवार के कर्ता की शक्तियों एवं स्थिति को स्पष्ट कीजिए।

3. Explain the grounds of divorce which are available to a Hindu wife only.

विवाह विच्छेद के उन आधारों का उल्लेख कीजिए जो केवल हिन्दू पत्नी को ही प्राप्त हैं।

Or

(अथवा)

“Hindu marriage is a sacrament and not a contract.” Explain the nature of Hindu marriage in this reference.

“हिन्दू विवाह एक संस्कार है संविदा नहीं।” इस संदर्भ में हिन्दू विवाह की प्रकृति स्पष्ट कीजिए।

4. Under what circumstances a wife can ask for separate residence and maintenance from her husband ?

किन परिस्थितियों में एक पत्नी अपने पति से पृथक् निवास एवं भरण-पोषण की माँग कर सकती है ?

Or

(अथवा)

State the consequences of Adoption.

दत्तक ग्रहण के परिणाम बताइए।

5. Distinguish between the decrees of ‘Judicial separation’ and ‘Divorce’.

‘न्यायिक पृथक्करण’ एवं ‘विवाह विच्छेद’ की डिक्लरेशनों में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

Or

(अथवा)

When a Hindu marriage is treated as a void, voidable and valid ? Comment.

हिन्दू विवाह कब शून्य, शून्यकरणीय एवं विधि मान्य माना जाता है ? व्याख्या कीजिए।

6. Under what circumstances a widowed daughter-in-law can ask for maintenance from her father-in-law ?

किन परिस्थितियों में एक विधवा पुत्रवधु अपने श्वसुर से भरण-पोषण की माँग कर सकती है ?

Or

(अथवा)

Discuss fully the capacity of a female Hindu to take an adoption. What is the effect of adoption ?

एक हिन्दू नारी द्वारा दत्तक ग्रहण करने की क्षमता का पूर्णतया विवेचन कीजिए। दत्तक के क्या प्रभाव हैं ?

Section-C

(खण्ड-स)

7. Explain various conditions of a valid Hindu marriage.
वैध हिन्दू विवाह की विभिन्न शर्तों को स्पष्ट कीजिए।
8. Explain provisions regarding adoptions under the Hindu Adoptions and Maintenance Act, 1956.
हिन्दू दत्तक और भरण-पोषण अधिनियम, 1956 के अंतर्गत दत्तक संबंधित क्या प्रावधान हैं ?
9. Enumerate the various grounds upon which a party to a marriage may present a petition for a decree for judicial separation. Explain whether the court has power to award a decree of judicial separation on the petition for divorce presented by the petitioner ?
उन विभिन्न आधारों को बताइए जिन पर विवाह का कोई पक्षकार न्यायिक पृथक्करण की डिक्री के लिए याचिका प्रस्तुत कर सकता है। क्या न्यायालय प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत विवाह-विच्छेद की याचिका पर न्यायिक पृथक्करण की डिक्री पारित कर सकता है ?
10. Explain the principle of son's pious obligation to pay his father's debts.
पिता के ऋणों को चुकाने के पुत्र के पुनीत दायित्व के सिद्धांत को समझाइए।
11. Describe any *one* of the leading cases which prescribed in your course. Point out principles of law laid down in the above case of your choice.
आपके पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रमुख वादों में से किसी एक वाद की विवेचना कीजिए। आपके द्वारा चयनित उपर्युक्त वाद में प्रतिपादित सिद्धांतों का वर्णन कीजिए।